



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 291]
No. 291]नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 20, 2000/अग्रहायण 29, 1922
NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 20, 2000/AGRAHAYANA 29, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क निदेशालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 2000

विषय:- पोलैण्ड और यूरोपीय संघ के मूल के या वहां से निर्यातित हाई स्टिरिन बुटाडिन कोपोलीमर/हाई स्टिरिन रेजिन/ रबड (एचएसआर) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 22/1/2000-डीजीएडी.— मैसर्स अपार इण्डस्ट्रीज लि. और मैसर्स एपकोटैक्स लैटिरोज लि. ने हाई-स्टिरिन बुटाडिन कोपोलीमर (एचएसआर) के घरेलू उद्योग की ओर से 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें पोलैण्ड और यूरोपीय संघ से एचएसआर के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

- शामिल उत्पाद:-** मौजूदा जांच में शामिल उत्पाद हैं - पोलैण्ड एवं यूरोपीय संघ के मूल के या वहां से निर्यातित हाई स्टिरिन बुटाडिन कोपोलीमर, जिसे सभी ग्रेडों और स्वरूपों के हाई स्टिरिन रेजिन/रबड (एचएसआर) (जिसे इसके पश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के नाम से भी जाना जा ता है। एचएसआर में हाई स्टिरिन रेजिन लेटैक्स मास्टर बैच से संबंधित एसबीआर 1900 श्रृंखला और हाई स्टिरिन रीइनफोर्समैट पोलीमर से संबंधित एचएसबीआर, शामिल है। एचएसआर का विनिर्माण केवल स्टिरिन बुटाडिन रबड (एसबीआर) के उत्पादकों द्वारा किया जाता है और इसकी खपत रबड उद्योग में की जाती है। एचएसआर सीमाशुल्क उप-शीर्ष सं. 4002. 1902 के तहत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और मौजूदा जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

2. **घरेलू उद्योग की स्थिति:-** मौजूदा याचिका मैसर्स अपार इंडस्ट्रीज लि., अपार हाऊस, कारपोरेट पार्क, शिओन - ट्रामबे रोड, चैम्बुर, मुम्बई-400 021 और मैसर्स एपकोटैक्स लैटिरोज लि 49-53, महावीर सेंटर, प्लाट सं. 77, सेक्टर-17, वाशी, नवी मुम्बई 400 703 ने संयुक्त रूप से दायर की है। इस मामले में घरेलू उद्योग में उपरोक्त दो याचिकाकर्ता और एक मैसर्स सिथेटिक्स एंड कैमिकल्स लि. शामिल हैं। इस याचिका के अनुसार उक्त संबद्ध वस्तु का कोई अन्य विनिर्माता नहीं है। याचिका के अनुसार जांच अवधि के दौरान, उत्पादन की कुल मात्रा इन दो याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित मात्रा है। इसप्रकार, याचिकाकर्ताओं ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का कुल उत्पादन किया है। इसलिए, नियमों के अनुसार इनके पास याचिका दायर करने का प्रथम-दृष्ट्या अपेक्षित आधार है।

3. **शामिल देश/क्षेत्र:-** वर्तमान जांच में शामिल देश/क्षेत्र पोलैण्ड तथा यूरोपीय संघ हैं (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है)।

4. **समान वस्तुएँ-** याचिकाकर्ता द्वारा यह दावा किया गया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु और संबद्ध देश/क्षेत्र से निर्यातित हाई स्टिरिन बुटाडिन कोपोलिमर (एचएसआर) में कोई खास अंतर नहीं है। दोनों की एक समान विशेषताएं होने का दावा किया गया है और यें तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इसलिए, पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एचएसआर तथा संबद्ध देश/क्षेत्र से आयातित एचएसआर को प्रथम दृष्ट्या समान वस्तु के रूप में माना गया है।

5. **पाटन तथा पाटन मार्जिन**

(क) **सामान्य मूल्य:-** याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध देश/क्षेत्र के लिए सामान्य मूल्य का दावा उस आकलित मूल्य के आधार पर किया है जिसकी जांच याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए की गई है। संबद्ध देश/ क्षेत्र के संबंध में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के बारे में पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य हैं।

(ख) **निर्यात कीमत:-** संबद्ध देश/क्षेत्र से हुए निर्यात की सीआईएफ कीमत के बारे में समुचित सूचना उपलब्ध है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, स्वदेशी भाड़े तथा पत्तन खर्च के लिए समायोजनों का दावा किया गया है। इस प्रकार, संबद्ध देश/क्षेत्र से कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत का पर्याप्त साक्ष्य है।

(ग) **पाटन मार्जिन:-** उपरोक्त व्यौरों के अनुसार साक्ष्य के आधार पर आकलित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना से प्रथम-दृष्ट्या संबद्ध देश/क्षेत्र से संबद्ध वस्तु के पाटन का पता चलता है तथा पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से काफी अधिक है।

6. **क्षति एवं कारणात्मक संबंध:-** घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक संकेतकों जैसे लाभप्रदता, बिक्री प्राप्ति और संबद्ध आयातों की मात्रा तथा कीमत जैसे संकेतकों से प्रथम-दृष्ट्या यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। संबद्ध देश/क्षेत्र से हुए आयातों के कारण क्षति होने के खतरे के भी प्रथम-दृष्ट्या साक्ष्य हैं। इसके अलावा,

इस बात का भी प्रथम-दृष्ट्या साक्ष्य है कि संबद्ध देश/क्षेत्र से विचाराधीन उत्पाद के पाठित आयातों के कारण क्षति हुई है तथा घरेलू उद्योग को क्षति होने का खतरा उत्पन्न हुआ है।

7. **पाटनरोधी जांच का आरंभ:-** उपरोक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी, सम्बद्ध देश/क्षेत्र के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आरोपित पाटन की मौजूदगी उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटन-रोधी जांच आरंभ करते हैं।
8. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 जनवरी, 2000 से 30 सितम्बर, 2000 तक की है।
9. **सूचना देना:-** सम्बद्ध देश/क्षेत्र के निर्यातकों और भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे अपने विचार तथा संबंधित सूचना निर्धारित प्रपत्र में तथा निर्धारित ढंग से निर्दिष्ट प्राधिकारी (पाटनरोधी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, कमरा सं. 243, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110 011 को भेज दें। अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती है।
10. **समय सीमा:-** वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी। प्राधिकारी किसी भी स्थिति में हितबद्ध पार्टियों को उनके जवाब के लिए समय बढ़ाने की अनुमति प्रदान नहीं करेंगे।
11. **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:-** नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी निर्धारित समय-सीमा की समाप्ति के पश्चात् उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।
12. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है, तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

DIRECTORATE OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th December, 2000

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of High Styrene Butadiene Copolymer/High Styrene Resin/Rubber(HSR) originating in or exported from Poland and European Union.

No. 22/1/2000-DGAD.— M/s Apar Industries Ltd. and M/s Apcotex Lattices Ltd on behalf of the domestic industry for High Styrene Butadiene Copolymer(HSR) have filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of HSR from Poland and European Union and have requested for anti-dumping investigation and levy of anti-dumping duties.

1. **Product Involved :** The product involved in the present investigation is High Styrene Butadiene Copolymer, also called High Styrene Resin/Rubber(HSR) of all grades and forms (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from Poland and European Union. HSR covers SBR 1900 series referring to High Styrene Resin Latex Master batch and HSBR referring to High Styrene reinforcement Polymer. HSR is manufactured by producers of Styrene Butadiene Rubber (SBR) only and is consumed in Rubber Industry. HSR is classified under Customs Subheading No. 4002.1902. The classification is, however only indicative and in no way binding on the scope of the present investigation.

2. **Domestic Industry Standing:** The present petition is filed jointly by M/s Apar Industries Ltd. Apar House, Corporate Park, Sion-Trombay Road, Chambur,Mumbai- 400021 and M/s Apcotex Lattices Ltd. 49-53, Mahavir Centre, Plot No. 77, Sector-17, Vashi, Navi Mumbai: 400703. The Domestic industry in this case comprises these two petitioners and one M/s Synthetics and Chemicals L'td. There seems to be no other manufacturer of the subject goods as per the petition. The total volume of production during the period of investigation as per the petition is the volume produced by the two petitioners. Thus, the petitioners account for the total production of the subject goods during the period of investigation. Therefore, they prima-facie have the requisite standing to file the petition as per the Rules.

3. **Country/territory involved :** The country/territory involved in the present investigation are Poland and the European Union(also referred to as subject country/territory herein after)

4. **Like Articles :** It is claimed by the petitioner that there is no significant difference in the goods produced by the Indian industry and High Styrene Butadiene Copolymer(HSR) exported from the subject country/territory. Both are claimed to have similar characteristics and are technically and commercially substitutable. Therefore, the HSR produced by the domestic industry and that imported from the subject country/territory are *prima-facie* treated as like articles within the meaning of the anti dumping Rules.

5. **Dumping and Dumping margin :**

(a) **Normal value :** The petitioners have claimed normal value for the subject country/territory on the basis of the constructed cost which has been examined in the light of the data and figures furnished by the petitioners. There is sufficient *prima-facie* evidence with regard to normal value of the subject goods in relation to the subject country/territory.

(b) **Export price :** Reasonable information is available with regard to the cif price of export from the subject country/territory. Adjustments are claimed on Ocean freight, Marine insurance, Commission, Inland freight and Port expenditure. Thus, there is *prima-facie* evidence of export price at ex-factory level from the subject country/territory.

(c) **Dumping Margin :** Comparison of the Normal Value and Export Price, calculated on the basis of evidence as detailed above, *prima-facie* indicates dumping of the subject goods from the subject country/territory and the dumping margin is significantly higher than the de-minimis limit.

6. **Injury and Causal Link :** The various economic indicators relating to domestic industry such as profitability, sales realisation and indicators such as volume and price of imports in question indicate *prima-facie* that the domestic industry has suffered material injury. There is also *prima-facie* evidence of threat of injury caused by the imports from the subject country/territory. Further, there is *prima-facie* evidence that the dumped imports of the product under consideration from the subject country/territory have caused injury and pose threat of injury to the domestic industry.

7. **Initiation of Anti-Dumping Investigation :** The Designated Authority, in view of the foregoing, initiates anti-dumping investigation into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country/territory.

8. The period of investigation for the purpose of the present investigation is Ist January, 2000 to 30th September,2000.

9. **Submission of Information:** The exporters in the subject country/territory and the known importers of the subject goods in India are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, (Anti-Dumping) Ministry of Commerce and Industry, Deptt. of Commerce, Room NO. 243, Udyog Bhawan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

10. **Time Limit :** Any information relating to present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than 40 days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers who are being addressed separately are, however, required to submit the information within 40 days from the date of letter addressed to them separately. The Designated Authority, in no circumstances, will grant to the interested parties extension of time for their response.

11. - **Inspection of public file :** In terms of Rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties after expiry of time limit set out.

12. In case any interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within the stipulated period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority